प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषि उत्पादकता बढ़ाने हेतु जैव सूचना तकनीकों का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक: डा. तेज प्रताप

पंतनगर। 27 अप्रैल 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के हरित क्रांति आधारित कृषि के कारण उत्पादकता में ठहराव हो चुका है अतः कृषि वैज्ञानिकों के समक्ष कृषि उत्पादन को और अधिक बढ़ाने की चुनौती है, जिसका सामना आधुनिक जैव सूचना प्रणाली की तकनीकों के समुचित उपयोग द्वारा सफलतापूर्वक किया जाना संभव हो चुका है। ये उद्गार पंतनगर विश्वविद्यालयके कुलपति डा. तेज प्रताप ने विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में एम.बी.जी.ई. विभाग द्वारा 'जैव सूचना तकनीकों और जीवन विज्ञान में इसके अनुप्रयोगों' पर आज से आयोजित तीन–दिवसीय प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए व्यक्त किये।

डा. प्रताप ने अपने सम्बोधन में आगे कहा कि जैव सूचना प्रणाली के उपयोग द्वारा कृषि महत्व के जीनों की मैपिंग कर उच्च गुणवत्तायुक्त फसलों की किस्मों का त्वरित विकास किया जा सकता है जिससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी वरन कृषि उत्पादन को भी बढ़ाया जा सकता है। कृषि महत्व के उपयोगी जीनों तथा प्रोटीनों की पहचान बायोइन्फारमेटिक्स की मदद से आसानी से की जा सकती है, जिससे मृदा पोषक तत्वों को दक्षता से प्रयोग करने वाली किस्मों के साथ साथ रोग तथा अजैविक प्रतिरोधक किस्मों का विकास करना आसान हो चुका है अतः प्रत्येक कृषि वैज्ञानिकों को इन तकनीकों का ज्ञान होना आवश्यक है।

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्टि अतिथि एवं, प्रधान वैज्ञानिक ,एन.आई.पी.जी.आर., ,दिल्ली, डा. मनोज प्रसाद, ने कहा कि कम्प्यूटेशन तकनीक का ज्ञान जैविक समस्याओं की क्रियाविधि समझने के लिए अति आवश्यक है। साथ ही डॉ प्रसाद ने बताया कि जैव सूचना तकनीकों के उपयोग द्वारा जीनोम सिक्वैन्स के विश्लेषण से कृषि महत्व के जीवों को पहचाना जा सकता है। डा. ए. के. शुक्ला, अधिष्ठाता विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। डा. ए. के. गौड़ ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत कर विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला के महत्त्व पर प्रकाश डाला। डा. संदीप कुमार,समन्वयक जैव सूचना प्रणाली, ने कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताया। डां गौहरताज, वैज्ञानिक प्रभारी, द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में एन.आई.पी.जी.आर. के वैज्ञानिक, डा. जे. एस. ठाकुर, डा. जितेन्द्र गिरि; निदेशक प्रसार शिक्षा; विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष; संकाय संदस्य, डा. वीर सिंह, डा. जे.पी.एन. राय, डा. दिनेश पाण्डे डा. गौहर ताज; जैव सूचना प्रणाली केन्द्र में कार्यरत अपूर्व तिवारी, श्री गंगा दत्त शर्मा, श्री राम प्रताप सिंह एवं श्रीमती नीलम सहित समस्त कर्मी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते कुलपति डा. तेज प्रताप।